प्रेस विज्ञप्ति

<u>०४/१०/२००७</u>

भारत देश एवं निर्यातकों के लिए अच्छी है रूपये की मजबूती

नई दिल्ली: **भारतीय वित्त संस्थान के वित्त प्रोफेसर, डॉ. जे. डी. अग्रवाल ने डॉलर के मुकाबले रूपये की मजबूती का स्वागत करते हुए कहा कि रूपये की मजबूती देश और निर्यातकों के लिए काफी फायदेमंद है तथा इससे देश को बहुत फायदा होगा।** उनके अनुसार जब डॉलर की कीमत अमेरिका में आर्थिक मंदी के चलते अंतर्राश्टीय बाजार में घट रही है इससे भारत को अपनी अर्थव्यवस्था के प्रबन्धन में सहायता मिलेगी, मुद्रा स्फिति नियंत्रित होगी तथा व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी क्योंकि भारत मे आयात से निर्यात कम है। इससे बढ़ती हुई कच्चे तेल की कीमतों को काबू करने में भी सहायता होगी।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों रूपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पिछले ९ साल में सबसे ज्यादा मजबूत चल रहा है। ९ साल बाद यह स्थिति बनी है जब डॉलर के मुकाबले रूपया मजबूत होकर ४० से नीचे आया है।

प्रो. अग्रवाल के अनुसार आम धारणा के विपरीत इससे निर्यातकों को काफी लाभ मिलेगा। जब रूपये की कीमत कम होती है तो निर्यातकों को उतने ही डॉलर के लिए ज्यादा मात्रा में वस्तुएं एवं सेवायें प्रदान करनी पड़ती है तथा उन्हे माल भाड़ा तथा बीमे की कीमत ज्यादा चुकानी पड़ती है, ज्यादा सीमा शुल्क देना पड़ता है तथा भ्रमण के लिए भी रूपये ज्यादा चुकाना पड़ता है। अब उन्हे आयातित वस्तुओं के कच्चे माल की कीमतें रूपये में कम देनी होंगी क्योंकि उन्हे सस्ते कच्चे माल तथा कम सीमा शुल्क का फायदा मिलेगा। रूपये की मजबूती से निर्यातकों को लागत में लाभ होगा जिससे उनको प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी मिलेगा।

उनके अनुसार भारतीय रूपये की मजबूती से लोग अपना पैसा भारत अथवा विदेश में डॉलर में रखना कम पसंद करेंगे क्योंकि रूपये की मजबूती से बुरे तरीके से अथवा मेहनत से कमाया पैसा डॉलर में कम होगा। कुछ दिन पहले फाइनेंस इंडिया में छपे शोध लेख के अनुसार १९९५ में भारत से अमरीका ५ बिलियन डॉलर का पूंजी पलायन केवल अनियमित व्यापार पद्धतियों से हुआ। शोध के अनुसार ऐसा देखने में आया है कि विकासशील देशों के कुछ राजनेता, दफ्तरशाह, पूंजीपति और कुछ अन्य लोग अपना पैसा अपने देश से बाहर डॉलर में रखते हैं। क्योंकि यह पैसा बाहर के देशों में रखा जाता है इससे उन देशों की विकास परियोजनाओं को वित्त प्रदान करने में मुश्किल आती है। प्रो. अग्रवाल के अनुसार रूपये की मजबूती से बाहर रखा कुछ पैसा भारत में वापस आने से देश को काफी फायदा होगा।

प्रो. अग्रवाल के अनुसार बढ़ती हुई रूपये की कीमत से भारत की प्रतिश्ठा अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी, प्रतिव्यक्ति आय बढ़ेगी तथा राश्ट्रीय धन में बढ़ोत्तरी होगी।

निर्यात एवं निर्यातकों के हितों के नाम पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया हमेशा अत्यधिक नियंत्रण द्वारा रूपये की कीमत को कम रखने की कोशिश करता है जो सही नहीं है। प्रो. अग्रवाल के अनुसार रूपये की मजबूती से सरकार राजस्व पर भी असर पड़ेगा क्योंकि सीमा तथा उत्पाद शुल्क पर करों में कमी होगी।

प्रेस सेक्रेटरी
भारतीय वित्त संस्थान
फोन : २७१३६२५७, २७४५१२१२